INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 9	Topic: दिये जल उठे	Note: Pl. file in portfolio

प्रश्न 1. किस कारण से प्रेरित हो कर स्थानीय कलेक्टर ने पटेल को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया ?

उत्तर - दांडी कूच की तैयारी के सिलसिले में वल्लभभाई पटेल 7 मार्च को रास पहुँचे थे । उन्हें वहाँ भाषण नहीं देना था लेकिन पटेल ने लोगों के आग्रह पर **'दो शब्द'** कहना स्वीकार कर लिया । इस कार्य को शासन के विरुद्ध माना गया था । यही कारण था कि स्थानीय कलेक्टर शिलिडी ने पटेल को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया ।

प्रश्न 2. जज को पटेल की सज़ा के लिए आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा ?

उत्तर - सरदार पटेल को गिरफ़्तार करके पुलिस के पहरे में ही बोरसद की अदालत में लाया गया । जज किस धारा के तहत और कितनी सज़ा सुनाएँ फैसला नहीं कर पा रहे थे क्योंकि अपराध तो कोई था ही नहीं । यह गिरफ़्तारी तो बदले की भावना से हुई थी । साथ ही सरदार पटेल ने अपराध स्वयं स्वीकार कर लिया था । इसलिए उन्हें आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा लगा ।

प्रश्न 3. "मैं चलता हूँ । अब आपकी बारी है ।" - यहाँ पटेल के कथन का आशय उद्धृत पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर - पटेल के कथन का आशय उद्धृत पाठ के संदर्भ में यह है कि उन्हें सरकार ने अकारण गिरफ़्तार कर लिया था । तब उन्होंने कहा - मैं जानता हूँ कि मेरे जाने से यह यात्रा नहीं टलेगी । मुझे हटाया जाएगा, तो कई वल्लभभाई खड़े हो जाएँगे । उन्हें पता था गांधीजी इस आंदोलन को आगे बढ़ाएँगे । इसलिए उन्हें संबोधित करते हुए उन्होंने कहा - मैं चलता हूँ । अब आपकी बारी है ।

प्रश्न 4. "इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें" - गांधी जी ने यह किसके लिए और किस संदर्भ में कहा ?

उत्तर - गांधीजी एक बार रास गए । वहाँ उनका भव्य स्वागत हुआ । रास समुदाय के लोग इसमें सबसे आगे थे । जो दरबार कहलाते हैं, ये रियासतदार होते हैं । गोपालदास और रविशंकर महाराज जो दरबार थे, वहाँ उपस्थित थे । ये दरबार लोग अपना सब कुछ छोड़कर यहाँ आकर बस गए थे । उनका यह त्याग एवं हिम्मत सराहनीय है । गांधीजी ने इन्हीं के जीवन से प्रेरणा लेने को लोगों से कहा कि इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें । धैर्य, त्याग और साहस के द्वारा ही अंग्रेजी शासन को बाहर खदेड़ा जा सकता है ।

प्रश्न 5. पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि - 'कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है ।' अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर - अंग्रेजों के राज्य में उन्हीं के द्वारा बनाया नमक कानून खुलेआम तोड़ना सरल काम नहीं था । पर सत्याग्रही दृढ़ निश्चयी और सूझ - बूझ वाले थे । उन्होंने रात - दिन पैदल यात्रा की, कीचड़ और दलदल में चलकर, अँधेरी रात में नदी पार की और अंतत: इन कठिनाइयों पर पार पाने में सफल रहे । इससे सिद्ध होता है कि तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से कठिन परिस्थिति का सामना किया जा सकता है ।

प्रश्न 6. महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ।

उत्तर - रात के 12 बजे महिसागर नदी के दोनों किनारों पर हजारों लोग अपने हाथों में जलते दिये लेकर खड़े थे क्योंकि वे गांधीजी का और सत्याग्रहियों के आने की प्रतीक्षा कर रहे थे । उस समय अँधेरा था । गांधीजी को भी रोशनी की आवश्यकता थी । चारों ओर 'महात्मा गाँधी की जय, सरदार पटेल की जय और जवाहर लाल नेहरु की जय' के नारे गूँज रहे थे । इन्हीं नारों के बीच गांधी जी की नाव रवाना हुई । गांधीजी के नदी पार करने के बाद भी तट पर दिये लेकर लोग अन्य सत्याग्रहियों की प्रतीक्षा में खड़े रहे ।

प्रश्न 7. 'यह धर्मयात्रा है । चलकर पूरी करूँगा ।' गांधीजी के इस कथन द्वारा उनके किस चारित्रिक गुण का परिचय प्राप्त होता है ?

उत्तर - 'यह धर्मयात्रा है । चलकर पूरी करूँगा ।' गांधीजी का यह कथन उनके अटूट साहस, उत्साह और तीव्र लगन का परिचय देता है । गांधीजी धर्म यात्रा के लिए वाहनों का प्रयोग नहीं करना चाहते थे । उनके अनुसार यात्रा में कष्ट सहना पड़ता है । लोगों का दर्द समझना पड़ता है । तभी यात्रा सफल होती है । गांधीजी सत्यवादी, अहिंसाप्रिय, सदाचारी, देशभक्त, धार्मिक, विद्वान, कर्तव्यनिष्ठ, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे ।

प्रश्न 8. गांधीजी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारी इस बात से सहमत नहीं थे कि गांधी कोई काम अचानक और चुपके से करेंगे । उन्होंने किस डर से और क्या एहतियाती कदम उठाए ?

उत्तर - सत्याग्रही स्वयं नमक बना कर कानून तोड़ना चाहते थे । गांधीजी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारी इस बात से सहमत नहीं थे कि गांधीजी कोई काम अचानक और चुपके से करेंगे । इसके बावजूद उन्होंने नदी के तट से सारे नमक भंडार हटा दिए और उन्हें नष्ट कर दिया ताकि इसका खतरा ही न रहे ।

प्रश्न 9. गांधीजी के नदी पार करने के बाद भी लोग नदी तट पर क्यों खड़े रहे ?

उत्तर - गांधीजी के नदी पार करने के बाद भी लोग नदी तट पर दिये लेकर खड़े रहे । अभी सत्याग्रहियों को भी नदी पार जाना था । वे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे । शायद उन्हें पता था कि रात में कुछ और लोग आएँगे जिन्हें नदी पार करानी होगी ।